**गया-सिविल लाइन(बिहार)।** महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर आयोजित झाँकी एवं शोभायात्रा का शुभारंभ करते हुए सहकारिता सह पर्यटक मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, चेम्बर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष कौशलेन्द्र प्रताप, गुरुद्वारा प्रबंधक सर्व सिंह, जैन समुदाय से प्रदीप जैन, पशु मत्स्य प्रतिनिधि विकास कुमार, सर्व धर्म सचिव अजमत खान, राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी तथा अन्य गणमान्य लोग व ब्र.कु. भाई-बहनें।

**मोहाली-पंजाब।** ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा डिवाइन वर्ल्ड सोसायटी में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. प्रेमलता दीदी, ब्र.कु. रमा दीदी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

**हाथरस-उ.प्र.।** डीटमार सिविल जज,जर्मन को परमात्मा शिव का परिचय देने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. शान्ता बहन। साथ हैं ब्र.कु. दुर्गेश बहन, ब्र.कु. श्वेता बहन, ब्र.कु. वंदना बहन, कृष्ण भाई एवं अनुवादक हर्ष भाई।

**दिल्ली-गाजीपुर।** सामुदायिक भवन में आयोजित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र के वार्षिक उत्सव एवं भाई-बहनों के सम्मान समारोह में दीप प्रज्वलित करते हुए निगम पार्षद रचना सेठी, ब्र.कु. पीयूष भाई, राजयोगिनी ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, ब्र.कु. सुधा दीदी तथा अन्य भाई-बहनें।

**अमलोहा-रादौर(फतेहाबाद)।** महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में सरपंच राजेश काम्बोज, वार्ड सदस्य पुष्पा देवी, मोहन काम्बोज, ब्र.कु. राज बहन व ब्र.कु. राजू भाई।

**रुड़की-उत्तराखंड।** नेशनल पॉलिसी 2020 के अंतर्गत बौद्धिक सम्पदा अधिकार के द्वारा पुरातन भारतीय ज्ञान को सिलेबस में शामिल कर संरक्षित करने के तहत क्वांटम यूनिवर्सिटी रूड़की में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं तथा फैकल्टी मेम्बर्स को ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा प्रदत्त ईश्वरीय ज्ञान से अवगत कराते हुए ब्र.कु. लक्ष्मीचंद भाई।

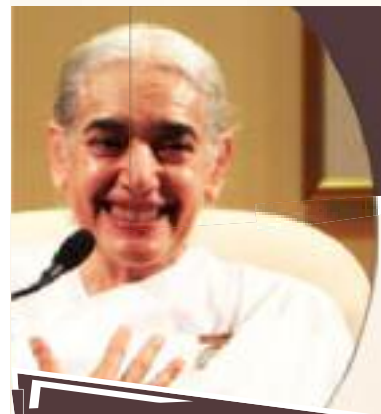

### तीन बातें ऐसी... जिससे हर समस्या पार कर सकते...

# ड्रामा की हर सीन में कुछ न कुछ कल्याण मेरे लिए समाया हुआ

राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी,अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़

गतांक से आगे...

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि मैं भृकुटि के बीच में विराजमान हूँ। और शरीर को कुछ भी कष्ट होता, हाँ, बेशक आत्मा को तो अनुभव होता ही है परंतु यदि हम आत्म स्मृति का अभ्यास करते तो आत्म स्मृति द्वारा जो हम शरीर से डिटैच होंगे, न्यारेपन की स्थिति में हम अपने आपको मजबूत, शक्तिशाली बनाते हैं उससे कई बातों का हो सकता बीमारी आये, कठिन समय आये लेकिन मुझे ये याद रखना है कि मैं कौन हूँ और मेरे अन्दर किस प्रकार से खज़ाना जमा किया हुआ है। सिर्फ मुझे अपने साथ थोड़ा समय बिता करके खज़ाने को देखना होगा। अब आगे पढ़ते हैं...

आज के समय और भविष्य के बदलते समय में ये आत्म स्मृति का अभ्यास करना बिल्कुल एक फाउंडेशन बन जाता। भारत में या भारत से बाहर भी 85 प्रतिशत लोग आज तक भी कोई न कोई फेथ में मान्यता रखते हैं। भारत में तो विशेष हम देवी-देवताओं की भी पूजा करते हैं परंतु साथ ही साथ एक निराकार ज्योति स्वरूप परमपिता परमात्मा शिव कल्याणकारी जिसको हम इसकी प्रतिमा शिवलिंग के रूप में पूजा करते हैं। परंतु वास्तव में तो परमात्मा ज्योति स्वरूप, चैतन्य स्वरूप है। जैसे आत्मा का स्वरूप अति सूक्ष्म ज्योति स्वरूप उसी तरह से परमात्मा का रूप भी वो ही परंतु गुण बेअंत। परमात्मा के लिए हम कहेंगे वो ज्ञान का सागर, शांति का सागर, प्यार का सागर, पतित पावन, भिन्न-भिन्न प्रकार से हम उसकी उपमा करते हैं। परंतु सर्व गुणों का सागर सिर्फ वो एक परम पिता परमात्मा है। जिस तरह से हम अपने मात-पिता से, सखा से, जो भी मित्र संबंधी हैं उनसे सम्बन्ध रखते हैं इसी तरह से जब परम पिता परमात्मा के साथ हमारा अनादि, अविनाशी सम्बन्ध है। उसे फिर से जोड़ कर उस सम्बन्ध का अनुभव करते हैं।

उस समय परमात्मा हमारी माता किस तरह से है, परमात्मा हमारा पिता किस तरह से है, माता के रूप में अत्यंत प्यार, और रहम से हर प्रकार की आत्मा को परमात्मा स्वीकार करते हैं। और फिर परमपिता के सम्बन्ध से परमात्मा के पास एक बहुत विशेष खज़ाना है जो हमे वर्से के रूप में देते हैं, और वो है खुशी का खज़ाना। तो एक-एक सम्बन्ध माता, पिता, सखा, स्वामी, शिक्षक, सतगुरू यदि हम विशेष इन सम्बन्धों के आधार से, प्रेम से परमपिता परमात्मा के साथ अपना बहुत आंतरिक, साइलेंस में वो रूहरिहान करते हैं तो हमें लगता है कि कोई भी समय, जिस भी समय मेरा संकल्प उस एक की तरफ गया तो उस द्वारा हमें हर प्रकार से प्राप्ति होगी। परमात्मा हमारा शिक्षक भी है इस तरह से मुझे अपनी जीवन चलानी चाहिए। और साथ-साथ परमात्मा मेरा रक्षक भी है। तो हर घड़ी परमात्मा के साथ डायरेक्ट कनेक्शन जोड़ कर, मनमनाभव बुद्धि के योग की तार जोड़कर हर प्रकार से परमात्मा के गुणों द्वारा, परमात्मा की शक्तियों द्वारा आत्मा की रक्षा होती ही रहेगी। और सदा वो हमारे साथ में ही है।

> हर घड़ी परमात्मा के साथ डायरेक्ट कनेक्शन जोड़ कर, मनमनाभव बुद्धि के योग की तार जोड़कर हर प्रकार से परमात्मा के गुणों द्वारा, परमात्मा की शक्तियों द्वारा आत्मा की रक्षा होती ही रहेगी। और सदा वो हमारे साथ में ही है।

जिस तरह से परमात्मा शिव को कल्याणकारी हम मानते हैं उसी तरह से ये जो सृष्टि चक्र का खेल है, मुझे जितना परमात्मा में विश्वास है उतना ही यदि हम इस सृष्टि चक्र अथवा इस बेहद के नाटक अथवा ड्रामा को हम यही समझें कि ड्रामा में जो सीन आती है मेरे लिए कुछ न कुछ कल्याण उसमें समाया हुआ है। और न केवल मेरे लिए परंतु पूरे विश्व के लिए जो कुछ भी बात सामने आ रही है कुछ कारण होगा इसके पीछे, परंतु कुछ भी कारण हो यदि मुझे परमात्मा में विश्वास है, इतना ही मुझे ड्रामा में भी विश्वास है कि जो घड़ी बितती है मानवता के हिसाब से उसमें कुछ न कुछ कल्याण समाया हुआ है। और कुछ न कुछ तो क्या कहें, परंतु सचमुच कदम-कदम पर ड्रामा मेरा साथी है, ड्रामा मेरा रक्षक है, ड्रामा मेरे लिए कल्याणकारी है। यदि हम ये भावना रखते हैं तो आने वाले समय में हम अपनी स्थिति को बिल्कुल स्थिरियम, अचल-अडोल बना कर रख सकते हैं। जिसमें मुझे कोई डर का संकल्प न आये। परंतु साथ ही साथ यदि औरों के कुछ निगेटिव फीलिंग्स या कुछ वायब्रेशन्स हों, परमात्मा की शक्ति द्वारा, उसके साथ द्वारा ये शुभ वायब्रेशन्स ऐसे शक्तिशाली हों जो उन आत्माओं को भी सहयोग मिले, और उन्हों को भी डर से मुक्त कर सकें। तो अपने लिए भी अभी तैयारी करनी होती परंतु अपने परिवार के लिए और साथ-साथ समाज के लिए भी, विश्व के लिए ये तीन बातों का कदम-कदम पर याद करके, साथ लेकर चलना बहुत ही आवश्यक है। इससे हम हर सीन को पार कर सकेंगे, और हमें विश्वास है कि कलियुग जा रहा है तो अवश्य सतयुग आने वाला है। ज्ञान सूर्य उदय हो चुका और अभी तो वो दिन का समय, सोझरा का समय, प्रकाश का समय सतयुग का समय जल्दी में जल्दी आ ही जाये।

**इगलास-उ.प्र.।** महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा एक माह तक चलने वाले कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित सम्मेलन एवं शोभायात्रा में एसडीएम महिमा राजपूत, आनंदपुरी सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शान्ता बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. हेमलता बहन, सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य देवेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें व शहर के लोग शामिल रहे।

**गिद्दड़बाहा-पंजाब।** 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी, फरीदकोट एवं मुक्तसर के अग्रवाल सभा की कोऑर्डिनेटर कविता बंसल, गिद्दड़बाहा अग्रवाल सभा महिला मंडल की प्रेजिडेंट उमा सिंगला, महिला मंडल की काउंसलर शिखा गर्ग, सीडीपीओ सुपरवाइज़र सुखचरण कौर तथा बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

**दिल्ली-पीतमपुरा।** लॉरेल हाई मोंटेसरी स्कूल में टीचर्स व स्टाफ का मार्गदर्शन करने हेतु आमंत्रित किये जाने पर राजयोगिनी ब्र.कु. सुधा दीदी,डायरेक्टर,ब्रह्माकुमारीज़ मॉस्को,रशिया ने अपने आशीर्वचनों से सभी को लाभान्वित किया। इस दौरान अनीता भाटिया,स्कूल डायरेक्टर, उर्वशी जी,प्रिंसिपल, शालिनी जी,हेड मिस्ट्रेस, शिल्पा खन्ना,ब्रांच हेड, सीमा भाटिया, प्रतीक गोयल, 65 टीचर्स व 15 स्टाफ उपस्थित रहे।

**दुमका-झारखंड।** महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं को सम्मान पत्र देकर सम्मानित करने के पश्चात् उनके साथ उपस्थित हैं ब्र.कु. जयमाला बहन।

**पटना सिटी-पंचवटी कॉलोनी(बिहार)।** बजरंगपुरी कॉलोनी में नये ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला का उद्घाटन करते हुए स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी बहन।